हिन्दी पखवाड़ा उदघाटन समारोह

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान में आज हिन्दी पखवाड़े का आयोजन वर्चुवल माध्यम से किया गया। पखवाड़ा दिनांक 14 सितम्बर से 28 सितम्बर तक चलेगा इस दौरान कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा समस्त प्रतियोगिताओ का आयोजन वचुर्वल के माध्यम से ही होगा। इस अवसर पर संस्थान परिवार सहित क्षेत्रीय परिसर एवं केन्द्र से जुड़े सभी वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सर्वप्रथम संस्थान निदेशक डा. त्रिवेणी दत्त ने सभी को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलायी तथा हिन्दी दिवस की बधाई देते हुये अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने पर बल दिया। संस्थान के संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डा. हरेन्द्र कुमार ने कहा कि हम लोग 14 सितम्बर, 1949 से लगातार हिन्दी दिवस मनाते आ रहे हैं हिन्दी राष्ट्र की भाषा है और जन-जन की लोकप्रिय भाषा है। उन्होंने कहा कि यद्यपि अंग्रेजी भाषा भी अनिवार्य है अपितु हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हमें इसे कामकाज की भाषा बनाना होगा। हमारा संस्थान 'क' क्षेत्र में आता है और हम सभी को शत-प्रतिशत कार्य हिन्दी में करना चाहिए। उन्होंने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया कि हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओ में बढ-़चढ़ कर भाग लें।

संस्थान के प्रसार शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष हिन्दी पखवाड़ा आयोजन डा. महेश चन्द्र ने हिन्दी दिवस के अवसर पर बधाई देते हुए कहा कि हिन्दी हमारी सम्पत्ति है और सम्पत्ति की देख-देख एवं संवर्धन के लिए हमें परंपरा का ही निर्वाह नहीं करना होगा बल्कि इसको आगे बढ़ाने के लिए हमें स्वयं हिन्दी भाषा का बोलचाल की भाषा बनाकर इसको समृद्ध करना होगा। उन्होंने हिन्दी पत्रिकाओं के महत्व पर बताते हुए कहा कि वर्तमान में हिन्दी में कई पुस्तकें उपलब्ध हैं जिनका पठ्न-पाठन कर हम हिन्दी का महत्व समझ सकते हैं। कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक एवं उपाध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति डा. विश्व बन्धु चतुर्वेदी ने कहा कि 1918 में 28 मार्च को गाँधी जी ने कांग्रेस के सम्मेलन में हिन्दी के महत्व को बताते हुए कहा कि हिन्दी के द्वारा ही स्वतंत्रता प्राप्त की जा सकती है। प्रभारी, राजभाषा अनुभाग श्रीमती सुजाता जेठी ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कार्यक्रम से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद दिया।